

13/4/24

पञ्जाबी देव है जो एक ही भाषा में संयोजित  
दायक सिद्ध है जो कि एक ही भाषा में  
यत्न में उचित नहीं है कि एक ही भाषा  
व्याप्ति सिद्ध जाता है पञ्जाबी देव शुद्ध रूप  
में है कि अथ वे एक तादृश रूप है

2/11  
पुस्तक संयोजक  
करोली (राज.)